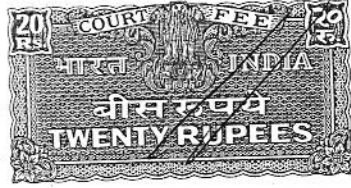


पक्षकारों एवं
आदि के

न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल ग्वालियर, सर्किट कोर्ट रीव

जिला-रीवा १०५०४



R-990-J/12

११४ लखमोहरी पुत्री जमुना हरिजन पत्नी अर्जुन साकेत, उठ
१२४ जयमोहरी पुत्री जमुना हरिजन,
दोनों निवासी- ग्राम पुरवा, तह० देक्सर, जिला- सिंगरौली,
१०५०४ -----निगराकारगण आर्वे०गण

बनाम

११४ वैश्वती प्रसाद पिता सुन्दर चमार,
१२४ सरदार पिता सुन्दर चमार,
१३४ लखमती प्रसाद पिता सुन्दर चमार,
१ सभी नि० ग्राम पुरवा, तह० देक्सर, जिला- सिंगरौली १०५०४
१४४ म०५० शासन ----- गैर निगराकारगण/अना०गण

निगरानी विरुद्ध आदेश न्याया० कलेक्टर जि०
सिंगरौली १०५०४ द्वारा प्रक० क्र०- 633/ निग०/
2000-2001, पारित आदेश दि० 24-11-10

निगरानी अंतर्गत धारा 50 म०५०मू०रा०सं०

अधिकारों की पुनः
रिजा द्वारा प्रस्तुत
सेवा दिनांक 20/3/2012

20/3/12

महोदय,

निगरानी आवेदन पत्र के आधार निम्नलिखित हैं :-

११४ यह कि विद्वान मातहत अदालत द्वारा पारित आलोच्य
आदेश विवाध प्रक्रिया एवं नैसर्गिक न्याय सिद्धांत के विपरीत होने से
निरस्त किए जाने योग्य है।

१२४ यह कि निगराकारगण के पिता जमुना तनय द्वारिका ५०
चमार ने विद्यार्ण न्यायालय तहसीलदार देक्सर की अदालत में म०५०
कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग की जा रही दखन रहित भूमियों पर भूमि-
स्वामी अधिकारों का प्रदान किया जाना १ विशेष उपबंध १ अधि०

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-अ

प्रकरण क्रमांक.....R. 990 - 1112..... जिला- सिंगरी

लखमोदरी सादेत विरुद्ध वेशपती प्रसाद चण्दाव शर्मा

(1)	(2)
18/12-18	<p>1. आवेदक की ओर से श्री. एन. के. मिना अधिवक्ता द्वारा यह निगरानी कलेक्टर/ अपर कलेक्टर, जिला. सिंगरी के प्रकरण क्रमांक.....633/सिंगरी/2000-01.....में पारित आदेश दिनांक.....24.11.18.....के विरुद्ध प्रस्तुत की गयी है। म0प्र0 भू-राजस्व संहिता में दिनांक 25.09.2018 को हुये संशोधन के फलस्वरूप अब नवीन संशोधित संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अन्तर्गत सुनवाई हेतु प्रकरण कमिश्नर, रीवा संभाग रीवा के न्यायालय को अंतरित किया जाता है। उभयपक्ष दिनांक.....23.12.....को कमिश्नर, रीवा संभाग रीवा के न्यायालय में सुनवाई हेतु उपस्थित हो।</p> <p style="text-align: right;">सदस्य</p>